कक्षा–12 NCERT राजनीति विज्ञान (समकालीन विश्व राजनीति)

अध्याय–03 (समकालीन विश्व में अमेरिकी वर्चस्व) नोट्स भाग–2

Youtube Channel Name : Siddhi Vinayak Sangaria

Channel Link- https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

Telegram link - https://t.me/siddhivinayaksangariamukesh (Siddhi Vinayak Sangaria)

Political Science Video Playlist Link-

https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU

---

1. **विश्व राजनीति में अमेरिका के ढांचागत वर्चस्व की विवेचना कीजिए।**

उत्तर– **ढांचागत वर्चस्व–** इसका अर्थ ऐसी अवस्था से है, जिसमें कोई देश वैश्विक अर्थव्यवस्था को अपने अनुसार संचालित करने एवं लाभ प्राप्त करने की क्षमता रखता है।

आर्थिक वर्चस्व की झलक अमेरिका की विश्वव्यापी 'सार्वजनिक वस्तुओं' को उपलब्ध करवाने की भूमिका में मिलती है।

सार्वजनिक वस्तुओं से तात्पर्य उन वस्तुओं से है, जिनका उपयोग एक व्यक्ति द्वारा करने पर, अन्य को उसकी उपलब्धता की मात्रा में कमी न हो। जैसे वायु, सड़क, समुद्री व्यापार मार्ग, इंटरनेट आदि।

सार्वजनिक वस्तुओं के प्रयोग से संबंधित अमेरिकी उदाहरण निम्न प्रकार हैं–

1. समुद्री मार्गों पर अधिकार– द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने अपनी नौसेना शक्ति के द्वारा सार्वजनिक वस्तु एवं समुद्री व्यापार मार्गों पर अपना अधिकार जमा लिया है।

2. इंटरनेट की उपलब्धता– यह सेवा भी अमेरिकी सैन्य अनुसंधान परियोजना का परिणाम है, जिसे वर्ष 1950 में शुरू किया गया था। विश्व में अधिकतर उपग्रह अमेरिका के हैं।

3. विश्व अर्थव्यवस्था में बड़ी हिस्सेदारी– विश्व अर्थव्यवस्था में अमेरिका की 21 प्रतिशत हिस्सेदारी है तथा विश्व अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र की अग्रणी 3 कंपनियों में से 1 अमेरिकी कंपनी है।

4. संरचनात्मक शक्ति– द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका ने ब्रेटनवुड प्रणाली की स्थापना की, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की बुनियादी संरचना है तथा अमेरिकी वर्चस्व का परिणाम है।

अमेरिका द्वारा प्रारंभ किया गया एमबीए प्रोग्राम आज संपूर्ण विश्व में एक प्रतिष्ठित कोर्स है।

2. **अमेरिकी वर्चस्व की राह में कौनसे व्यवधान हैं? आपके जानते इनमें से कौनसा व्यवधान आगामी दिनों में सबसे महत्त्वपूर्ण साबित होगा?**

उत्तर– अमेरिकी वर्चस्व के रास्ते में 3 मुख्य अवरोध हैं–

1. पहला अवरोध– अमेरिका की संस्थागत बनावट है, जिसके कारण इसके शासन के तीनों अंगों के बीच शक्ति का बंटवारा है जो कार्यपालिका के अनियंत्रित कार्यों पर अंकुश लगाती है।
2. दूसरा अवरोध– अमेरिकी समाज की खुली सोच है। यह अमेरिका के विदेशी सैन्य अभियानों पर अंकुश रखने में बड़ी भूमिका निभाती है।
3. तीसरा अवरोध– यह अमेरिकी वर्चस्व के रास्ते में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण अवरोध है। विश्व व्यवस्था में आज सिर्फ एक संगठन– नाटो है जो अमेरिकी ताकत पर लगाम लगा सकता है।

3. **भारत–अमेरिका संबंधों की समीक्षा कीजिए।**

उत्तर– **भारत–अमेरिकी संबंध** – शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद भारत द्वारा उदारीकरण एवं वैश्वीकरण की नीति अपनाने के कारण महत्त्वपूर्ण हो गया है। भारत अब अमेरिका की विदेश नीति में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके प्रमुख लक्षण निम्न प्रकार दिखाई दे रहे हैं–

1. अमेरिका आज भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
2. अमेरिका के विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों द्वारा भारत से गहरे संबंध स्थापित करने के लिए भारत की यात्रा करते हैं।

Youtube Channel: Siddhi Vinayak Sangaria

A little progress everyday ..... adds up to a big results.

3. अमेरिका में बसे अनिवासी भारतीय खासकर सिलीकॉन वैली में अपना प्रभाव रखते हैं। यहां लगभग तीन लाख भारतीय कार्य करते हैं।
4. उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की 15 प्रतिशत कंपनियों की शुरूआत अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने की है।
5. भारत अपने सॉफ्टवेयर क्षेत्र का 65 प्रतिशत उत्पाद अमेरिका को निर्यात करता है।

4. आपके मतानुसार एक स्वतंत्र देश स्वयं को वर्चस्व के प्रभाव से कैसे बचा सकता है? सुझाव दीजिए।

उत्तर– अमेरिकी वर्चस्व से बचने के उपाय–

1. **समयानुसार लाभ उठाना–** अमेरिकी वर्चस्व का विरोध करने की बजाय अवसरों का लाभ उठाते हुए विकास करना चाहिए। इसे बैण्डवेगन नीति कहा जाता है।
2. **सुरक्षात्मक नीति–** अपने को छिपा लेने की नीति ताकि वर्चस्व वाले देश की नजर न पड़े।
3. **विभिन्न समूहों के माध्यम से विरोध–** राज्येत्तर संस्थाएं जैसे स्वयंसेवी संगठन, कलाकार और बुद्धिजीवी मिलकर अमेरिकी वर्चस्व का विरोध करें।

5. "आज कोई भी देश अमेरिकी सैन्य शक्ति की तुलना में बराबर नहीं है।" इसके पक्ष में अपने तर्क दीजिए।

उत्तर– आज कोई भी देश अमेरिकी सैन्य शक्ति की तुलना में बराबर नहीं है। इसके पक्ष में तर्क–

1. अमेरिका से नीचे के कुल 12 ताकतवर देश एक साथ मिलकर अपनी सैन्य क्षमता के लिए जितना खर्च करते हैं उससे कहीं ज्यादा अपनी सैन्य क्षमता के लिए अकेले अमेरिका करता है।
2. अमेरिका अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा रक्षा अनुसंधान और विकास में खर्च करता है।
3. अमेरिकी सैन्य प्रौद्योगिकी की गुणवत्ता बहुत अधिक है।
4. अमेरिकी सशस्त्र सेना के 6 अलग–अलग कमान हैं जिनका विस्तार अमेरिका के साथ–साथ संपूर्ण विश्व में है।

इस प्रकार किसी और देश के लिए सैन्य शक्ति के मामले में अमेरिका की बराबरी कर पाना संभव नहीं है।

6. वर्तमान में भारत–अमेरिकी रिश्ते से संबंधित 3 संभावित रणनीतियों को समझाइए।

उत्तर–

1. **पहली रणनीति–** भारत को अमेरिका से दूरी बनाते हुए अपनी राष्ट्रीय शक्ति को बढाने पर बल देना चाहिए। यह रणनीति भारत–अमेरिकी संबंध को मुख्यतः सैन्य शक्ति के रूप में देखती है तथा डर की आशंका प्रकट करती है।
2. **दूसरी रणनीति–** अमेरिकी वर्चस्व का लाभ उठाकर भारत को विकास के मार्ग पर चलना चाहिए। इस रणनीति के अनुसार दोनों के हितों का मेल हो, ताकि भारत अपने लिए अच्छे विकल्प ढूंढ सके। इसके अलावा यह अमेरिकी विरोध की रणनीति को भविष्य के लिए नुकसानदेह मानती है।
3. **तीसरी रणनीति–** भारत को अपने नेतृत्व में विकासशील देशों का गठबंधन बनाना चाहिए। जब यह गठबंधन ताकतवर हो जाए तब अमेरिकी वर्चस्व का विरोध करना चाहिए।

Class – 12th NCERT राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अध्याय को अच्छे से समझने के लिए सिद्धि विनायक संगरिया यू–ट्यूब चैनल पर आप वीडियो देखें। इसके लिए आपको चैनल की प्ले–लिस्ट NCERT POL SCIENCE|2021-22|Class 12

(https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU)

में अध्यायवार सभी वीडियो एकसाथ मिलेंगे। आप भी पढ़ें और अपने साथियों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

धन्यवाद

सिद्धि विनायक संगरिया टीम

Youtube Channel: Siddhi Vinayak Sangaria